Chipko Songs : by - Ghanshyam Sailani

Oh! Save them! Save them!
From fatal axe.
Towering pines, Rhododendrons and Oaks.
The flowing ~~con~~ Canals, the running Streams.
Smiling flowers and gurgling Springs.
Save them ---!

The gentle winds, the pattering rains.
Curled green twings on these mountains. Save them.
Trees have milk in their leaves.
Cool and fresh water in their roots.
Protect them from the Brutes. Save them ---!!

The hacking of trees has created turmoil
Now who shall hold the trickling soil. Save them
The life of man and animal are the trees.
How can Heaven be conceived without these.
Save them! Save them!
From the fatal axe.

(Translated by. Govind Raturi)
(from Garhwali Chipko Song).

बाँज बुराँस की डाली

ई बाँज बुराँस की सी कुलैं की डाली
न काटा न काटा, यों रखा जग्वाली।
गदन्यों मा पाणि, सेरौं मा छ कूल,
खिल-खिल हँसद बुराँस कु फूल।
यों बाँज बुराँस को यू ठण्डो पाणि॥ न काटा न काटा०॥
पत्यों मा छ दूध, जड्यों मा छ पाणि,
पोंगड्यों मा खाद छ खेति किसाणी।
या धरती सजाईं, उपकार वाली॥ न काटा०॥
यों डाल्यों की देन छ माटु, पाणि,
सुर सुरया बथौं छ बरखा बत्वाणी
यों सौंत्याली डांड्यों मा यों की हरयाली॥ न काटा०॥
हेमन्त बसन्त रितु यों से औंदी
असाड़ व सौण बरखा बी होन्दी।
ई रितु बसन्त तैं बणौंण वाली॥ न काटा न काटा...॥
गंगा जमुना का ई छन सिरवाण
पशु मनख्यों का ई मन पराण
ई धरती मा स्वर्ग सुख देण वाली॥ न काटा०॥
यू माटु रुकायूँ हमुं लै बचायूँ,
खड़ा चौकीदार यू बिस्टू थमायूँ,
पड़ीगे खाड़ा, कटेणी सि डाली॥ न काटा...॥
खाल्यों का किनारा झपन्याली डाली,
छुम छुम्मा गदरी, बगदी सि खाली,
ई डाली हमु लै बरदान वाली॥ न काटा...॥
लगावा, बचावा जख जु बी डाली,
न काटा न काटा, यों रखा जग्वाली॥

Wherever you find - some place
Plant new trees.
The forests have disappeared
They've been cutting them for years
All the springs have dried up.
You've to travel miles for fuel/fodder.
The main gifts of trees are,
Soil, pure air and water.
The forests have been eaten up.
By man's greed.
To plant new trees and new forests
Is the noblest act and greatest need
Uproot all eucalyptus and
Plant the trees giving food fodder
fuel fertilizer and fibre.

(Translated by Govind Raturi)

डालि लगावा

जख बी देखा खाली जगा, तख लगावा डाली।
भीमल की हो, बाँज की हो, चौड़ी पत्ती वाली॥

बर्षों बिटी काटि काटि जंगल अब कखी नी रै।
मनखि का लालच न भुला, जँगलौं कु नीलाम ह्वे
पेण का पाणी को अब, पठ सुखैगे खाली॥
जख भी देखा खाली जगा, तख लगावा डाली॥ --॥

जख भी देखा खाली जगा, डाला लगैदेण अब,
माटु सफा बगण लग्यूँ, धरती ढकै देण सब
भीमल की हो, बाँज की हो चारा पत्ती वाली॥ जख भी देखा ---॥

गौं का अगाड़ि पिछाड़ी, क्वी जगा खाली नी रै।
घास क तैं दुरु न जा, औ भुली डाली लगौ,
माटु पाणि प्राण बचौ, बरखा पाणि वाली॥ जख ---॥

धारू गाडु डाँडि काँठ्यों, डाल्यों की हरयाली हो।
गौं का अगाड़ि पिछाड़ि फल फुलू की डाली हो,
आम की हो. अखोड़ू की हो बादाम की डाली॥ जख भी देखा ---॥

गौं गौं मा जैन भी जख चुलू डालि पालि छ,
खाणक तैं लाणक तैं, तेल देण वालि छ,
जख भी देखा फण्डु उखेड़ा लिपटिस की डाली
माटु खोन्दी पाणि पेन्दी पूँजीपति वालि॥ जख भी देखा --॥

डालि लगौणी बचौणी, आज बड़ो धर्म छ,
दुनियाँ का खातिर अगवाड़ी बड़ू भारी शुभकर्म छ।
गौं गौं मा मिली जुलीक यों रखा जगवाली॥ जख भी देखा खाली जगा ---॥

PSK
F7

To weave garments for barren earth,
Plant new trees and make new forests.
To save the earth from impending danger,
Come one come all and get together.
For forests are our life and soul,
They are the source of rivers all.
Rains and ~~sive~~ springs are created in them,
The soil, water and air are because of them.
Trees are blessed even by God,
He came once to save them from the odds.
They are worshiped by mankind,
Without considering their safety all planning is blind.
Apricot, apple, walnut are their treasure,
We drive from them fodder wood and water.
Once Uttrakhand was heaven on earth,
Where in deep forests, Vedas and Purans took birth.
To drive away the ruthless cutters,
Come one, come all and get together,
Now it has become our religion,
To save the forests from destruction.

(Tranlated by Govind Raturi)

आवा, धरती सजावा — घनश्याम शैलानी

ओ हो नई डाली, नया बण लगावा, धरती सजावा ।
ओ हो धरती कु संकट मिटावा, मिलिजुलीक आवा ।
ओ हो जंगल मंगल हमारा, जीवन पराण,
ओ हो अन्न पाणि देण वाला, नदियों का सिरवाण ।
यो सि बसकाल बसन्त औन्दी, गदन्यों कु सुस्याट,
जौ सि मनख्यौं कु पोषणभरण, पोथल्यों कु चुच्याट ।
लावा हरि भरि फल फुलु वाली, सुन्दरा सि डाली,
ओ हो क्वी चुलु, सेब खुमानी, क्वी अखोड़ वाली ।
ओ हो गदन्यों सि पाणि पौंछैक, गौं गौं मा हरयाली,
गौं का अगाड़ी पिछाड़ी भूमली, फल फुलु की डाली ।
ओ हो माटु पाणी पराण बच्यौं, यों डाल्यों की देन,
अलो भगवान भी परगट ह्वै पीपल डाली लैन ।
ओ हो यों डाल्यों ~~[illegible]~~ तै भगवान कु बरदान,
तभी आज भी कभी पुनमासि को यो सणी पुजदान
ओ हो जंगलु सि जीवन हमारो घास लाखडू पाणि,
अलो जंगलु बिना तब कुछु ना सभी योजना काणि ।
द्यो कनु ~~[illegible]~~ खाणु भारत पुराणु, सुन्दर हमारो,
ओ हो धरती कु स्वर्ग छौ जख, उत्तराखण्ड सारो ।
जख ~~घ~~ घोर जंगल रै कभी, नदियों का सिरवाण,
यख मनख्यों का खातिर लिखेन, ऋषियोन पुराण ।
आवा पेड़ बचावा, डालि लगावा, धरम छ हमारो,
जावा गौं जगावा, तौं भगावा, डालि काटदारों ।
ओ हो नई डालि नया बण लगावा, धरती सजावा,
ओ हो धरती कु संकट मिटावा, मिलिजुलीक आवा ॥